



Literacy for a Billion

Movie: Gurudev

Year: 1993

Song: Jaipur Se Nikli Gaadi

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

हे जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

छोरी का दिल छोरे संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
छोरी का दिल छोरे संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले

पहले होता है कुछ कुछ
फिर हो जाता है सब कुछ
मैं तो रख दूँगा
दिल निकाल के
हो हो ...

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

धिधिन तिनक धिन

छोरे का दिल छोरी संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
छोरे का दिल छोरी संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले

पहले होता है कुछ कुछ
फिर हो जाता है सब कुछ
सैयाँ जी फिर भी देखभाल के
हो हो ...

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
छोरी का दिल छोरे संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले

जब मेरी उल्फ़त की पटरी
मिल गई तेरे दिल से
अरमानों की गाड़ी
फिर दौड़ाएँ दोनों मिलके

जबसे हूँ तुझसे मिलने की

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

दिल में मेरे समाई
मैंने भी अब जो हो सो हो
झंडी हरी दिखाई

ये तेरी मरज़ी है तो फिर
ये तेरी मरज़ी है तो फिर
देख मैं क्या क्या करता हूँ रे

हल्ले हल्ले
हल्ले हल्ले

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
छोरे का दिल छोरी संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले

होय क्या चाहूँ
सौ सौ बलखाए
कब से करूँ इशारा
जान सके तो जान ले

ये कहना है तो फिर अब
मुझको भी है आज़ादी
तेरे संग खेलूँ उल्फ़त की
चाहे जितनी बाज़ी

खेल जा मेरे अंग लिपट

हाय खेल जा मेरे अंग लिपट
दूर से काहे अँखियाँ मारे
हल्ले हल्ले

हल्ले हल्ले

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

छोरी का दिल छोरे संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन
धिधिन तिनक धिन

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
छोरे का दिल छोरी संग
धकधक बोले हल्ले हल्ले

पहले होता है कुछ कुछ
फिर हो जाता है सब कुछ
मैं तो रख दूँगा
दिल निकाल के
हो हो ...

जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले
जयपुर से निकली गाड़ी
दिल्ली चले हल्ले हल्ले



Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.